हरिभूमि

शौर्य भूमि

मंडला| अंजनिया | भुआबिछिया | बम्हनीबंजर | नैनपुर | निवास | बीजाडांडी

5

जबलपुर, बुधवार 24 जनवरी 2024

login : www.haribhoomi.com

खबर संक्षेप

रामायणम आर्किड का हुआ भूमिपूजन

मण्डला। जिला मुख्यालय से लगे कटरा में रामायणम् आर्किड का भव्य भूमि पूजन संतो के उपस्थिति में किया गया। यहां पंडित रामनाथ शास्त्री ने विधि विधान से भगवान श्रीराम दरबार के तैल्य चित्र पर माल्यार्पण पूजन अर्चन करते हुए भूमि पूजन किया। रामायणम् आर्किड की संचालिका श्रीमति ज्योति विकास जायसवाल ने उपस्थित अतिथियों का तिलक वंदन करते हुए स्वागत किया इस अवसर पर परिवार की मुखिया ओमप्रकाश जायसवाल ने सभी अतिथियों को पुष्पमाला पहनाते हुए अंगवस्त्र भेंट किए। वहीं परिवार के वरिष्ठ सदस्य विक्की जायसवाल ने बताया कि 22 जनवरी को खास मूर्हूत होने के कारण भूमि पूजन कराया गया है और वहीं भगवान श्रीराम के नाम पर ही निर्माणाधीन भवन का नाम रामायणम् आर्किड रखा गया है। इस अवसर पर रामगोपाल जायसवाल निधि मरावी सुभी राय नितिन राय, पूर्णिमा रजक, सोनम रजक, माया रजक, उर्जा राय, समाजसेवी सुधीर कांसकार, राजा शुक्ला, दीपक कछवाहा, नीरज अग्रवाल, कमलेश अग्रहरि, कैलाश डेहरिया के साथ सामाजिक एवं गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे।

पेंशन प्रकरणों के निराकरण के लिए शिविर 29 जनवरी से

मण्डला। लंबित पेंशन प्रकरणों के निराकरण हेतु 29 जनवरी से 5 फरवरी 2024 तक जिला पेंशन कार्यालय मंडला में पेंशन शिविर का आयोजन किया गया है। कलेक्टर ने सभी कार्यालयों को निर्देशित किया है कि शिविर में अपने कार्यालय में नवंबर 2023 तक के लंबित प्रकरण प्रतिदिन प्रातः 11 बजे से सायं 4 बजे तक अनिवार्य रूप से जमा करना सुनिश्चित करें।

सबरी और राम का मिलन देखकर भाव विभोर हो गई कैबिनेट मंत्री

संतों ने पखारे पैर, भक्तों ने किया पूजन

*** राम की भक्ति में लीन हैं नगरवासी।**

हरिभूमि न्यूज ⏭ मण्डला

अयोध्या के श्रीराम मंदिर में श्रीरामलला की प्रतिमा की प्राण प्रतिष्ठा को लेकर है। श्रीराम भक्त इस पल का कई वर्षों से इंतजार कर रहे हैं आखिर अब जब यह घड़ी सामने आई है तो एक-एक राम भक्त इस पल को दीपावली की तरह मनाने में जुट गया है। संपूर्ण राष्ट्र भगवामय नजर आ रहा है। घरों, मंदिरों के उपर भगवा ध्वज लहरा रहा है। इसी कड़ी में सोमवार को जिला पंचायत के सामने स्थित प्राचीन हनुमान शेष नाग मंदिर में प्रातः 9 बजे से कार्यक्रमों का सिलसिला दिखाई दिया जो देर रात तक जारी रहा। यहां पर स्थित रामदरबार में आकृर्षक साज सज्जा के साथ फूलमाला से दरबार को सजाया गया। वहीं दोपहर 1 बजे संतो और जनप्रतिनिधियों की उपस्थिति में कार्यक्रम आयोजित किए गए जहां पर भगवान राम के बनवास के दौरान सबरी मिलन को लेकर बच्चों के अभिनय प्रस्तुति किया। राम और लक्ष्मण पग-पग चलते सबरी की झोपड़ी पहुंचे जहां पर सबरी ने भगवान राम और लक्ष्मण को बेर खिलाते हुए उनका पूजन किया। इस कार्यक्रम में मुख्य यजमान के तौर पर स्वामी सारदात्मनंद जी महाराज रामकृष्ण सेवा आश्रम देवदरा, रामदास जी महाराज सूर्यमंदिर नावघाट, सच्चिदानंद जी महाराज सूर्य मंदिर नावघाट, धर्मगुरू पं. नीलू महाराज वरदान आश्रम अंजनिया, पं. रामनाथ शास्त्री जी महाराज मुख्य रूप से उपस्थित रहे। वहीं मुख्य अतिथि के तौर पर कैबिनेट मंत्री श्रीमति सम्पतियां उईके एवं पं. शैलेष मिश्रा वरिष्ठ भाजपा नेता एवं जिला पंचायत सदस्य मण्डला उपस्थित रहे। उपस्थितजनों ने भगवान की आरती की और जयकारे लगाए। इस अवसर पर कैबिनेट मंत्री श्रीमति सम्पतियां उईके ने कहा कि आज पूरे देश में कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे है लेकिन बच्चों का यह प्रयास अनोखा रहा और उन्होंने अनादि काल की स्मृति को जीवित कर दिया। इस अवसर पर स्वामी सारदात्मनंद जी महाराज रामकृष्ण सेवा आश्रम देवदरा ने कहा कि शबरी के जूठे बेर के बिना रामायण बिल्कुल अधूरी है शबरी की भक्ति को पूरा करने के लिए भगवान राम ने उनके जूठे बेर खा थे फाल्गुन मास के कृष्ण पक्ष की सप्तमी तिथि को शबरी जयंती मनाई जाती है जो श्रीराम पूरे विश्व को ज्ञान का मार्ग बताते हैं। उन्हें छत्तीसगढ़ में रहने वाली वनवासी माता शबरी ने ज्ञान का मार्ग दिखाया। शबरी ने ही उन्हें कहा कि पंपा सरोवर जाएं और सुग्रीव से मिलें। भगवान राम और माता सीता का वनवास अनेक परीक्षाओं से भरा था। वहीं इस अवसर पर धर्मगुरू पं. नीलू महाराज वरदान आश्रम अंजनिया ने कहा कि बनवास के समय भगवान राम माता सीता को खोजते हुए एक आश्रम में शबरी से मिले। शबरी ने भगवान राम के चरण धोए और उन्हें बैठने के लिए आसन दिया फिर भगवान राम के लिए वो बेर लाई जो झूठे थे। भगवान राम ने शबरी की श्रद्धा और सेवाभाव को देखते हुए बहुत प्रेम से झूठे बेर खाए। भगवान राम उन्हें भक्ति और सेवा का महत्व सिखाते हुए बताते हैं कि भगवान को जो सेवा शुद्ध मन और समर्पण से की जाती है वह सच्ची भक्ति होती है। इस घटना से हम सीखते हैं कि भगवान के दर्शन के लिए भक्ति की आवश्यकता होती है और जो सेवा अपने मन से की जाए वह समस्त सेवाओं में सर्वोत्तम होती है। पं. शैलेष मिश्रा वरिष्ठ भाजपा नेता एवं जिला पंचायत सदस्य कहा कि रामायण की कथा में माता शबरी को विशेष महत्व दिया गया है माता शबरी भगवान राम की भक्त थी उन्होंने सालों तक भगवान राम और माता सीता की भक्ति करने के साथ उनकी प्रतीक्षा की थी जब भगवान राम की माता सीता की खोज करते समय वन के रास्ते में माता शबरी से भेंट हुई। उससे पहले माता शबरी रोज मार्ग में पुष्प बिछाकर और चख कर मीठे बेर भगवान राम के लिए चुनकर रखती थीं और एक दिन शबरी की इंतजार पूरा हुआ तो आखिरकार भगवान राम से उनकी भेट हो ही गई। इस दौरान भंडारा प्रसादी वितरण के साथ दीपदान कार्यक्रम का आयोजन भी किया गया वहीं कलाकथक दल द्वारा भजन कीर्तन किया। समाजसेवी सुधीर कांसकार ने धर्मप्रेमियों का अभिवादन करते हुए शोभायात्रा का स्वागत करते हुए पुष्पवर्षा की। इस कार्यक्रम में पत्रकार परिषद समाज कल्याण प्रकोष्ठ एवं राष्ट्रीय मानव अधिकार फाउण्डेशन के समस्त पदाधिकारी व सदस्यों का सहयोग रहा। अंत में समाजसेवी नीरज अग्रवाल ने सभी का अभार व्यक्त किया।

नवनिर्मित श्री गुरूद्वारा साहिब में हुई प्रतिमाओं की प्राण प्रतिष्ठा

*** सिंधी समाज के द्वारा आयोजित कार्यक्रम में शामिल हुईं कैबिनेट मंत्री श्रीमति संपतिया उइके।**

हरिभूमि न्यूज ⏭ मण्डला

सिंधी समाज के द्वारा अंबेडकर वार्ड स्थित नवनिर्मित श्री गुरूद्वारा साहिब भवन का निर्माण कराया गया जिसमें सोमवार को भगवान श्री गणेश, श्री राम,राधा कृष्ण,आराध्य देव भगवान श्री झूलेलाल, संत कंवरराम, शहीद हेमू कालाणी की नवीन प्रतिमा की प्राण प्रतिष्ठा की गई, जिसमें भव्य आयोजन किया गया,इस कार्यक्रम में मध्यप्रदेश सरकार कैबिनेट मंत्री श्रीमति संपतिया उइके,नगर पालिका परिषद अध्यक्ष विनोद कछवाहा,नपा उपाध्यक्ष अखिलेश कछवाहा, समाज सेवी भीष्म द्विवेदी, अनुराग चौरसिया, शैलेष मिश्रा शामिल हुए और सिंधी समाज को आराध्य देवों की प्राण प्रतिष्ठा की शुभकामनायें दी,इस अवसर पर पूज्य सिंधी पंचायत के द्वारा मंत्री श्रीमति संपतिया उइके एवं सभी सम्माननीय अतिथियों का सम्मान किया गया।सोमवार को सामाजिक पुरोहित की मौजूदगी में वैदिक मंत्रों के साथ प्रतिमाओं का विधिवत पूजन अर्चन किया गया,इस अवसर पर सामूहिक हवन पूजन का कार्यक्रम हुआ जिसमें बडी संख्या में सामाजिक पुरूष, महिलाओं ने आहूति देकर सहभागिता की,सिंधी समाज के द्वारा श्री गुरूद्वारा साहिब में बनाए गए धार्मिक पुस्तकालय का शुभारंभ कैबिनेट मंत्री महोदया के द्वारा किया गया, इससे धार्मिक पुस्तकें नागरिकों तक पहुँचाने का प्रयास किया जाएगा,तदोपरांत आम लंगर आयोजित किया गया जिसमें शामिल जनों ने प्रसादी ग्रहण की,आयोजन को सफल बनाने में पूज्य सिंधी पंचायत, सिंधी नवयुवक मंडल, श्री गुरूद्वारा निर्माण समिति, मातृ शक्ति संगठन का सराहनीय सहयोग रहा।

अनवरत प्रवाहित चेतना ने विश्व को किया श्रीराममय

हरिभूमि न्यूज ⏭ मण्डला

हमारा राज्य चला जाये जो उसे शौर्य वापस ला सकता है, धरती छिन जाये तो उसे पराक्रम वापस ला सकता है, धन चोरी हो जाये तो परिश्रम से एकत्रित किया जा सकता है। यदि हमारी चेतना चली गई तो कोई शौर्य, पराक्रम व परिश्रम वापस नहीं ला सकता। रोम, मिश्र एवं यूनान की चेतना चली गई इसलिए इन राष्ट्रों का अस्तित्व समाप्त हो चुका है। लेकिन विसम परिस्थितियों में भी हमारे ऋषि मुनियों व महान पुरूषों द्वारा अपने त्याग, समर्पण, निष्ठा एवं बलिदानों से भारतीय चेतना को प्रवाहित किया जाता रहा है। इसी का परिणाम है कि अब पूरा विश्व राममय हो रहा है। इसी क्रम में मण्डला जिले के कार्यसेवक रामभक्त भी गिलहरी की भांति चेतना की धारा में बहते हुए अयोध्या श्रीराम मंदिर निर्माण आंदोलन के लिए तत्कालीन बजरंग दल जिला संयोजक कन्हैया ठाकुर के नेतृत्व में रवाना हुए थे। ये जानते हुए कि जिन्दा वापस आना मुश्किल है। इस दौरान मण्डला के इन रामभक्तों को उत्तरप्रदेश के बांदा में बंदूक की नोक पर 12 बजे रात को ट्रेन से उतारकर 4 दिन तक जेल में बंद किया गया था। अब ये सभी रामभक्त अयोध्या भव्य मंदिर में प्रभु श्रीराम की प्राण प्रतिष्ठा होने पर हर्षित हैं। इन कार्यसेवकों का केन्द्रीय मंत्री फग्गन सिंह कुलस्ते, मध्यप्रदेश सरकार की केबिनेट मंत्री सम्पतिया उइके समेत विभिन्न संगठनों के द्वारा सम्मान किया गया। जिससे अभिभूत इन रामभक्तों ने मोदी सरकार एवं श्री हनुमान लला सेवा समिति, धर्म उत्सव परिवार मण्डला का आभार व्यक्त किया है। जिनके नाम इस प्रकार हैं - कन्हैया ठाकुर, मनोज ठाकुर, पूनम रघुवंशी, अरविन्द रघुवंशी, विनोद रघुवंशी, मेवा ठाकुर, केशव यादव, परसराम ठाकुर, पुहुप रघुवंशी, शरद भाटी, जगदीश ठाकुर, दिलिप यादव, अशोक ठाकुर, संतोष यादव, चन्द्रप्रकाश दुबे, कृष्ण कुमार महोबिया, आशीष मिश्रा, आनंद कछवाहा, मनीष नंदा एवं राजेन्द्र ठाकुर। इस दौरान इनके द्वारा अपने उन तीन साथियों स्व.उमेश यादव, स्व.पप्पू चन्द्रौल एवं ब्रजकिशोर कछवाहा को भी स्मरण किया गया जो अब इस दुनिया में नहीं हैं।

उपलब्धि | **गजेंद्र गुप्ता का ग्रास रूट डेवलपमेंट मॉडल देश के शीर्ष 16 मॉडल में चयनित।**

रसोई गैस की अवैध बिक्री पर जिम्मेदार खामोश

*** पूर्व में हो चुके हैं कई हादसे।**

हरिभूमि न्यूज ⏭ मण्डला/निवास

निवास नगर में एलपीजी रसोई गैस की वैध (गायत्री गैस एजेंसी) संचालित है जहाँ से क्षेत्र में आपूर्ति के हिसाब से नियमानुसार आम उपभोक्ताओं को निर्बाध गैस मिल रही है, फिर भी अतिरिक्त लाभ कमाने का मोह न त्यागने वाले कुछ व्यापारी अपनी दुकानों से अवैध गैस टंकी की बिक्री कर रहे हैं, आखिर इन्हें इतनी मात्रा में रसोई गैस की टंकी कैसे मिल रहीं हैं ये प्रशासन के लिये जाँच का विषय है, स्थानीय प्रशासन और खाद्य विभाग उक्त गैरकानूनी धंधे पर कार्रवाई नहीं कर रहा जिसके कारण एक ओर जहां उपभोक्ता की जेब हल्की की जा रही है वहीं शासन व पेट्रोलियम विभाग के नियम कायदों को ताक पर रखकर बेची जा रही रसोई गैस के सिलेंडर से अगर आग भड़कने या फटने पर जान माल की हानि होती है तब उक्त दोषी दुकानदारों के साथ 2 प्रशासन भी जिम्मेदार होगा।

बीते कुछ महीने पूर्व भी निवास पुलिस द्वारा एक मारुति वेन को भरे हुये रसोई गैस सिलेंडर परिवहन करते पकड़ा गया जिसका मामला भी पंजीबद्ध किया गया है, लेकिन अवैध रसोई गैस परिवहन में लिप्त वाहन को कुछ दिनों बाद छोड़ दिया गया है।

यहाँ ये कहना गलत न होगा कि प्रशासन की इसी लचर कार्रवाई का नतीजा है कि निवास नगर में सरेआम रसोई गैस की कालाबाजारी की जा रही है इतना ही नहीं मारुति वेन आदि वाहनों में आमजन की भीड़ के बीच सिलेंडर की गैस भरी जा रही देखी जा सकती है पर इस खतरे के खेल को खेलते देख स्थानीय प्रशासन व जनप्रतिनिधियों को कोई फर्क नहीं पड़ रहा जिससे तीव्र ज्वलनशील पदार्थों के अवैध बिक्रेताओं के होंसले बुलंद हो रहे हैं।

साइंस फेस्टिवल में मण्डला के प्रतिभागियों ने फहराया परचम

*** लता और सौरभ के मॉडल प्रर्दशित।**

हरिभूमि न्यूज ⏭ मण्डला

9वें इंडिया इंटरनेशनल साइंस फेस्टिवल में मंड्ला जिले के प्रतिभागियों ने अपने उत्कृष्ट प्रर्दशन से जिले का नाम रोशन किया है। आईआईएसएफ का आयोजन भारत सरकार द्वारा विगत दिवस हरियाणा के फरीदाबाद में किया गया। चार दिवसीय महोत्सव में 17 विषयों पर वर्कशॉप, संगोष्ठी, विज्ञान प्रतियोगिता, प्रौद्योगिकी शो एवं प्रर्दशनियों का आयोजन किया गया था। जिसमें 23 देशों के प्रतिभागी शामिल हुए। भारत सरकार ने 2015 से भारत के विभिन्न भौगोलिक क्षेत्रों में आईआईएसएफ के आठ संस्करणों की मेजबानी कर रहा है। जानकारी अनुसार फरीदाबाद में सम्पन्न हुए 9 वें इंडिया इंटरनेशनल साइंस फेस्टिवल के इवेंट नेशनल सोशल आर्गेनाईजेशन एंड इंस्टीट्यूशन मीट में गजेंद्र ने जूरी के समक्ष अपने ग्रास रूट डेवलपमेंट मॉडल की प्रस्तुति दी। इस इवेंट में देश भर से 125 ग्रास रूट डेवलपमेंट मॉडल नामांकित हुए थे, जिसमें देश के 16 मॉडल को चयनित किया गया। इसी इवेंट में मंड्ला के गजेंद्र गुप्ता के ग्रास रूट डेवलपमेंट मॉडल को देश के शीर्ष 16 मॉडल में चुना गया है। बता दे कि नेशनल सोशल आर्गेनाईजेशन एंड इंस्टीट्यूशन मीट, आईआईएसएफ का एक महत्वपूर्ण घटक है, जो सामाजिक विकास में हितधारकों को एकजुट करने के लिए एक मंच के रूप में कार्य करता है। यह प्रस्तुतियों, इंटरैक्टिव सत्रों और नवीन प्रौद्योगिकियों के प्रदर्शन की सुविधा प्रदान करता है जो नागरिकों के जीवन और आजीविका की गुणवत्ता को बढ़ाते हैं। यह आयोजन वैज्ञानिक और सामाजिक समुदायों के बीच विचारों के आदान-प्रदान को बढ़ावा देता है, जिसमें वैज्ञानिक और अनुसंधान संस्थानों से उत्पन्न आजीविका केंद्रित विकास, सामाजिक प्रसार और व्यावसायीकरण के लिए अनुकूल जमीनी स्तर के मॉडल पर ध्यान केंद्रित किया जाता है। साइंस, टेक्नोलॉजी एण्ड इनोवेशन एक्सिबिशन में सेंटर फॉर एनजीओ मैनेजमेंट की लता सैयाम ने माहवारी स्वच्छता प्रबंधन, पूरा सोशल साल्यूशंस के सौरभ चटर्जी ने महिला सशक्तिकरण अभियान को प्रर्दशित किया। परम्परागत, जडी-बूटी एवं वैकल्पिक चिकित्सा विकास परिषद एवं अनुसंधान केन्द्र के गजेंद्र गुप्ता, परम्परागत ज्ञान एवं वनोषधि विकास फाउंडेशन के निर्मल कुमार अवस्थी और परम्परागत प्रशिक्षित वैद्य संघ के अवधेश कुमार कश्यप ने वनोषधि एवं वनोषधि उत्पादों को प्रर्दशित किया।अनुभवात्मक शिक्षा को बढ़ावा देने प्रमुख अवधारणाओं पर जोर देने और समस्या-एसएएफ कौशल को प्रोत्साहित करने के लिए नवोन्वेषी, समर्पित विज्ञान शिक्षकों के लिए आईआईएसएफ में एजुकेशन फॉर एस्पिरिंग इंडिया-नेशनल साइंस टीचर्स वर्कशॉप आयोजित किया गया।शासकीय उत्कृष्ट उच्चतर माध्यमिक विद्यालय भुआ-बिछिया में गणित की शिक्षिका श्रीमती आरती मोदी ने इस वर्कशॉप में सहभागिता की।इस वर्कशॉप में देशभर से चयनित 300 से अधिक शिक्षकों ने प्रतिभागी गतिविधि-आधारित शिक्षा में शिक्षण पद्धतियों और नवाचारों को साझा किया। पैनल चर्चाओं में विज्ञान शिक्षा के विभिन्न पहलुओं को शामिल किया गया।

पटवारी संघ ने कलेक्टर के नाम सौंपा ज्ञापन

हरिभूमि न्यूज ⏭ मण्डला

मंगलवार को मप्र पटवारी संघ ने कलेक्टर के नाम ज्ञापन सौंपा है। पटवारी संघ जिला अध्यक्ष गीतेन्द्र गीतू बैरागी ने बताया कि हाईस्कूल एवं हायर सेकेण्डरी बोर्ड परीक्षा 2024 में संलग्न ड्यूटी से मुक्त करने को लेकर कलेक्टर के नाम ज्ञापन दिया गया है। उक्त ज्ञापन में उल्लेख है कि कार्यालय कलेक्टर शिक्षा विभाग मण्डला के संदर्भित पत्रानुसार जिले के पटवारियों को परीक्षा केन्द्र की गोपनीय सामग्री पुलिस थाना में उपस्थित होकर प्रश्न पत्र निकलवाने परीक्षा केन्द्र तक सुरक्षित पहुंचाने एवं अन्य आवश्यक कार्यवाही का पर्यवेक्षण करने हेतु केन्द्राध्यक्ष के साथ सहयोग करने हेतु आदेशित किया गया है। साथ ही परीक्षा काल तक केन्द्र में रहने हेतु निर्देशित किया गया है। चूंकि वर्तमान में पटवारियों के द्वारा केन्द्र सरकार की महत्वकांक्षी भू-स्वामित्व योजना, आबादी सर्वेक्षण, ग्राउण्ड टूथिंग, आरओआर एन्ट्री, नक्शा शुद्धिकरण, विकसित भारत संकल्प यात्रा में ड्यूटी, गिरदावरी जैसे प्रमुख कार्यों के साथ राजस्व महाअभियान के अंतर्गत नामांतरण, बटवारा, सीमांकन आदि अन्य कार्य भी सम्पादित किये जा रहे हैं। परीक्षा ड्यूटी भू-अभिलेख कार्यों से हटकर भी है जिसका कोई भी विधिवत प्रशिक्षण या व्यवहारिक ज्ञान प्रदान नहीं किया गया है। परीक्षा कार्य एक निश्चित समयावधि में होने से इसके अतिरिक्त अन्य और कोई भी कार्य पटवारी कर पाने में असमर्थ रहेंगे जबकि पटवारी द्वारा किये जा रहे समस्त विभागीय एवं राजस्व अभियानों से संबंधित कार्य समय सीमा के अंतर्गत हैं। परीक्षा ड्यूटी में संलग्नता हमारी असमर्थता है उन्होंने कहा कि इस आदेश का विरोध करते हैं। मांग की है कि ऐसी परिस्थितियों में विभागीय एवं अन्य महत्वपूर्ण अभियानों के कार्यों को दृष्टिगत रखते हुए उपरोक्त परीक्षा कार्य के आदेश से पटवारी वर्ग को मुक्त किया जाए।

खबर संक्षेप

इंद्रा कम्लेक्स की छत पर छलक रहे जाम, क्षेत्र के रहवासी हो रहे परेशान

गाडरवारा। वर्तमान में युवाओं के लिए शराब पीना, पिलाना फैशन बन गया है, जिसका नतीजा है कि रात में शहर के वीरान ईलाकों में शराब पीने के शौकीन युवा महफिल आबाद कर सामाजिक मार्यादाओं की अनदेखी करते हुए जमकर शराब खोरी कर रहे है? बताया जाता है कि जबसे फलो के फ्लेवर वाली शराब की शीशियाँ नगर में मिलने लगी है, युवाओं में शराब पीने का शौक अधिक बढ़ गया है। गौरतलब है कि शहर में मदिरा तो आसानी से मिल जाती है पर नगर में एक भी वीयरवार या अहाता न होने की स्थिति में सुरा प्रेमियो के लिए समस्या यह रहती है कि आखिर कहाँ बैठकर पैमाने टकराये जाएँ? यह ऐसी उलझन है कि मदिरा प्रेमी युवा रात्रि में कही भी बैठ शराब पीने का शौक पूरा कर शहर को गंदगी का उपहार भेंट कर देते है। वही मिल रही जानकारियों के अनुसार इस समय शहर के इंद्रा काम्लेक्स के अनेक व्यापारियो ने बताया कि शाम ढलने के बाद इंद्रा काम्लेक्स की बडी छत पर शराब की शीशियो, डिस्पोजल, पानी पाऊच, सिगरेट के पैकिट आदि सामान लेकर युवा आ धमकते है और घंटो शराब खोरी करने के बाद अपने दो पहिया वाहनो से शराब की खाली शीशियाँ और गंदगी छोड़ दफा हो जाते है, जिसे चलते इस इंद्रा काम्लेक्स का वातावरण भी प्रदूषित हो रहा है, वही बताया जाता है कि नगर के इंद्रा काम्लेक्स की बड़ी छत पर प्रतिदिन हो रही शराब खोरी के चलते यहां पर निवास करने वाले आमलोग व क्षेत्र के व्यापारी उत्तेजित हो रहे, उनकी पुलिस से माँग है कि पुलिस इंद्रा काम्लेक्स में शराब खोरी रोकने की दिशा में पहल करें।

क्षेत्र की अनेक ग्राम पंचायतों में वृद्धावस्था पेंशन योजना से वंचित है पात्र हितग्राही

सालीचौका। शासन द्वारा अनेक योजनायें चलाकर वृद्धों एवं गरीबों का भला करने की बात कही जा रही है वहीं दूसरी ओर देखा जाता है कि शहरी से लेकर ग्रामीण क्षेत्रों में वृद्ध महिलाओं व पुरूषों की हालत दिन पर दिन दयनीय व पीड़ा दायक होती जा रही है, इस हेतु शासन ने वृद्धावस्था पेंशन योजना शुरू की थी मगर देखा जा रहा है कि शासन की इस योजना को पंचायत में बैठे कर्णधारों द्वारा शासन के नियमों को अनदेखा कर पात्रजनों को इसका लाभ ना देकर अपात्रों को दिया जा रहा है? वही क्षेत्र की कुछ पंचायतों की सच्चाइ्र तो प्रकार से देखी जा रही है कि वहां पर शासन की कई अन्य योजनायें भाई-भतीजावाद की शिकार हो रही हैं जिसके कारण आज इन वृद्धों को शासन की अनेक योजनायें चलने के बाद भी भूखों रहने की नौबत आ रही है, शासन द्वारा वृद्धों के लिये वृद्धावस्था सुरक्षा पेंशन का फार्म निकाल कर यह नियम लागू किया गया था, मगर इस योजना का लाभ अनेक निःसहाय वृद्धों को नहीं मिल पा रहा है,आम जन का आरोप है कि अधिकारियों द्वारा इन वृद्धों के आवेदनों को बिना देखे ही निरस्त कर दिया जाता हैं, जिसके चलते ग्रामीण क्षेत्रों में अनेक विधवा महिलायें हैं जो परेशानियों के साथ अपना जीवन व्यतीत कर रही हैं जिनका भला करने के उद्देश्य से शासन ने इस प्रकार की योजनायें शुरू की थी मगर पंचायत स्तर पर बैठे कुछ अधिकारी भाई-भतीजावाद की भेंट चढ़ाकर पात्र हितग्रहियों को उनसे वंचित कर दिया जाता है।

कहां गई शासन की योजनाएं बच्चे बोझ उठाने को मजबूर

बारहाबड़ा। भले ही सरकाकर द्वारा बच्चों के भरण पोषण से लेकर अन्य सुविधाएं प्रदान करने के लिए अनेक प्रकार की योजनाएं चलाई जा रही है, मगर जब बच्चों को अपने परिजनों के साथ बोझ उठाते हुए देखा जाता है तो शासन की समस्त योजनाओं पर अपने आप ही प्रश्न चिन्ह लगाते हुए दिखाई देने लगता है? इस बात की सच्चाई तहसील की जंगली आदिवासी बाहुल्य क्षेत्र की आदिवासी समुदाय की स्थिति दिन व दिन बदतर होती जा रही है, सभी नियम कानून कागजो में सिमटते नजर आ रहे है? इस बात की सच्चाई उजागर कर रहे है वे नाबालिग जो प्रतिदिन गाडरवारा, सालीचौका, सांईखेड़ा, चीचली में लकड़ी का गठ्ठा लेकर बेचने आते है।

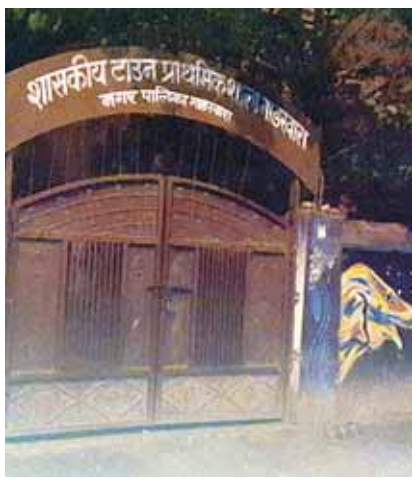

शासन के आदेश के बाद भी 22 जनवरी राम लला की प्राण प्रतिष्ठा दिवस पर छाया रहा अंधेरा

नगर की धरोहर माने जाने वाले शासकीय टाऊन स्कूलों की प्रशासन को मात्र चुनाव के दौरान ही आती है याद

अधिकारियों द्वारा चुनावी प्रक्रिया संपन्न करने के बाद शायद ही कभी दिया जाता हो ध्यान...?

हरिभूमि न्यूज/गाडरवारा। शिक्षा के क्षेत्र में शासन द्वारा जिस प्रकार की योजनाएं चलाते हुये शासकीय शिक्षण संस्थाओं में अध्ययन करने वाले बच्चों को अनेक प्रकार की सुविधाएं तो प्रदान की जा रही है। मगर शहरों में इस सच्चाई पर गौर किया जावे तो अधिकारियों की उदासीनता का परिणाम है कि यह शिक्षण संस्थाएं लगतार बदहाली की शिकार होते हुये देखी जा रही है? कुछ इसी प्रकार की सच्चाई इस समय नगर की धरोहर माने जाने वाली शिक्षण संस्था शासकीय टाऊन प्राथमिक शाला भवन में देखने मिल रही है। नगर की सबसे पुरानी यह शिक्षण संस्था लगातार बदहाली का शिकार होने के साथ साथ अनेक बुनियादी सुविधाओं से जूझने के साथ साथ दुर्दशा का शिकार होते हुये देखी जा रही है और जिसकी सच्चाई शिक्षण संस्था के दीवारों पर उग रहे पीपल के पेड़ उजागर करने से नही चूक रहे है? मगर इस भवन को लेकर अधिकारियों की उदासीनता का नजारा तो जब देखने मिला कि बीते हुये 22 जनवरी को अयोध्या नगरी में भगवान राम लला की प्राण प्रतिष्ठा को लेकर म.प्र. शासन द्वारा स्पष्ट रूप से आदेश जारी किये गये थें के समस्थ शासकीय भवनों को लाईटिंग लगाने के साथ उन्हें सुन्दर किया जावे। मगर इस आदेश के बाद भी अधिकारियों से लेकर नगर के समाजसेवियों द्वारा इस धरोहर की ओर किसी तरह का ध्यान देना उचित नही समझा गया था। जबकि पास में ही स्थापित नगर पालिका कार्यालय के आलवा पडौसी कन्या शाला जहां अनेक प्रकार के लाईटिंगों से चमचमा रहा था मगर नगर की इस धरोहर पर अंधियारे की बीरानी छाने के चलते अधिकारियों की उदासीनता की पोल खोलने से नही चूक रही थी? कहने के लिये तो इस संस्था को समाजसेवी संगठन द्वारा गोद लिया गया है मगर इस दिवस इस संस्था की ओर न तो किसी अधिकारी द्वारा ध्यान देना उचित समझा गया है न ही गोद लेने वाली संस्था द्वारा जिसके चलते देश के पन्नों में दर्ज होने वाली दिवस भी यह शिक्षा का मंदिर अधियारे के आगोश में समाकर अपनी बदहाली पर आंसू बहाते हुये नजर आने से नही चूक पाया है? यदि शिक्षण संस्था की सच्चाई पर गौर किया जावे तो इस नगर की धरोहर माने जाने वाली शिक्षण संस्था की ओर अधिकारियों द्वारा सिर्फ चुनावी प्रक्रिया के दौरान ही रूख किया जाता है इसके उपरांत कभी किसी अधिकारी द्वारा शिक्षण संस्था की ओर देखना तक उचित नही समझा जाता है..? इस बात की सच्चाई बीते हुये नम्बर माह में संपन्न हुये विधानसभा चुनावी प्रक्रिया के दौरान इस संस्था के छत से टकपने वाली बारिश की संभावना के चलते पानी को रोकने के लिये पन्नी लगा दी गई थी और आने वाले कुछ माह बाद फिर इस संस्था में लोक सभा चुनाव को लेकर रूख किया जावेगा? इस तरह अपनी बदहाली पर आंसू बहाने के लिये मजबूर इस शिक्षा मंदिर के इतिहास की सच्चाई देखी जावे तो अंग्रेजो के जमाने में बने हुये इस शिक्षा संस्था के भवन की स्थिति बाहरी तौर से जरूर चमकते हुये दिखाई दे रही है। मगर अंदर की ओर यदि रूख किया जावे तो लगातार खराब होते देखा जा रहा है जिसके अंदर बने हुये पेशाब घर जहां लगातार टूटते हुये दिखाई दे रहे है। वही दूसरी ओर बच्चों के बैठने की फर्स भी बदहाली की स्थिति में पहुंच चुका है? जबकि इस शिक्षण संस्था में पूर्व के समय अध्ययन कर चुके अनेक लोग देश व प्रदेश के नामी शासकीय पदों पर पहुंचकर इस संस्था का नाम जरूर रोशन करने में कोई कसर नही छोड़ रहे है। मगर वर्तमान में जिस स्थिति में इस शिक्षण संस्था को पहुंचते हुये देखा जा रहा है उसके चलते संस्था में छात्रों की स्थिति इस प्रकार से बन चुकी है कि अंगुली पर गिनी जा सकती है? इस प्रकार से शासन के शिक्षा विभाग द्वारा चलाये जा रहे स्कूल चले हम अभियान के संबंध में जब इस वर्ष संस्था में प्रवेश लेने वाले छात्र छात्राओं की सच्चाई जानने का प्रयास किया गया तो इस सत्र में इस संस्था में प्रवेश लेने वाले छात्राओं की संख्या दहाई में पहुंचते हुये भी दिखाई नही दे पाना एक चिंता जनक सच्चाई को उजागर करने से नही चूक पा रही है? वही दूसरी ओर कहने को तो इस संस्था में कक्षा पहली से लेकर पांचवी तक की पढ़ाई कराई जाती है। मगर शिक्षको की स्थापना कम होने से बच्चों की पढ़ाई भगवान भरोसे बन चुकी है तो दूसरी ओर बदहाल हालत में पहुंच चुकी इस संस्था की ओर जनप्रतिनिधियों से लेकर अधिकारियों द्वारा कभी रूख नही किये जाने के कारण दीवारों में पेड़ निकलने के कारण जहा दीवारों के बीच बड़ी बडी दरारे पड़ रही है जिनमें अनेक प्रकार के जहरीले जंतुओं ने अपना सुरक्षित आशियाना बनाने में कोई कसर नही छोड़ी है? इस प्रकार से बदहाली की शिकार हो रही नगर की धरोहर माने जाने वाली इस शिक्षण संस्था को नगर की समाजसेवी संस्थाओं द्वारा सुधारने की बात तो कही जाती है। मगर हालत में बदलाव नजर नही आ रहे है? हालत यह बना हुआ है कि भवन के चारों ओर गंदगी का अम्बार लगा हुआ दिखाई देना आम बात हो चुकी है। क्योंकि भवन से लगकर ही अंडा दुकान संचालित होना बच्चों के लिये परेशानी का कारण बनने से नही चूक पा रहा है। वही दूसरी ओर बच्चों का पानी पीने के लिये लगाया गया हेण्ड पंप भी कटीले तारों की बाड़ी के अंदर हो चुका है। मगर बडे ही हैरत की बात है कि आज तक शासन प्रशासन के किसी भी जिम्मेदारों द्वारा इस संस्था की सूरत बदलने के प्रयास करने की चर्चा करते हुये देखा गया हो...? हां मगर इस बात से इंकार नही किया जा सकता है कि जब भी चुनावी प्रक्रिया को मौका आता है तो जरूर अधिकारियों को इस शिक्षण संस्था की याद आना शुरू हो जाता है और चुनावी प्रक्रिया के चलते जरूर इसे नई दुल्हन की तरह सजाने में कोई कसर नही छोड़ी जाती है जिसके चलते अधिकारियों द्वारा इस शिक्षण संस्था में स्थापित किये जाने वाले मतदान केन्द्रो का निरीक्षण करने के नाम पर अनेकों चक्कर लगाते हुये दिखाई देने लगते है। वही चुनावी प्रक्रिया के समाप्त होने के बाद उन अधिकारियों के पास इतना समय नही रहता है कि इस संस्था में अध्ययन करने वाले छात्र छात्राओं के बीच पहुंचकर कभी चर्चा कर सके और उनका हाल जान सके कि आखिरकार बच्चों को संस्था में किसी भी प्रकार की परेशानियों का सामना तो नही करना पड़ रहा है? इस प्रकार से नगर की धरोहर माने जाने वाली अंग्रेजो के जमाने की इस शिक्षण संस्था इस समय बच्चों का विद्या मंदिर कम व चुनावी प्रक्रिया संपन्न कराने वाला भवन अधिक दिखाई देने लगा है?

दो साल पहले ग्राम मरका गांव के गन्ना खेत में युवती के साथ दुष्कर्म करते हुये हत्या करने वाले आरोपी को न्यायालय द्वारा सुनाई गई दोहरे आजीवन कारावास सहित अर्थ दंड की सजा

मामले में आरोपी को सजा दिलाने लोक अभियोजक पवन अग्रवाल ने की पैरवी

हरिभूमि न्यूज/गाडरवारा। भले ही अपराध करने वाले व्यक्ति अपने बचाव को लेकर कितने भी प्रयास करे मगर जब मामला विद्यवान न्यायाधीश के समझ पहुंचता है तो वहां पर दूध का दूध व पानी का पानी होने से नही चूकता है और अपराधियों को सजा मिलकर रहती है। कुछ इसी प्रकार की सच्चाई बीते हुये दिवस स्थानीय न्यायालय में उस समय देखने मिली जब लगभग दो साल पहले समीपस्थ सिहोरा पुलिस चौकी के अंतर्गत आने वाले ग्राम मरका चिरचिरा के एक गन्ना खेत में युवती के साथ दुष्कर्म करते हुये उसकी हत्या की घटित हुये एक सनसनी खेज जघन्य हत्या कांड में मा. विद्यवान न्यायाधीश द्वारा आरोपी को दोहरे आजीवन कारावास सहित आर्थिक दंड की सजा से दंडित किया गया है। स्थानीय न्यायायल के द्वितीय अतिरिक्त सत्र न्यायाधीश मा. डा. अंजली पारे द्वारा सत्र प्रकरण क्रमांक 15/2022 में निर्णय सुनाते हुये अभियुक्त निरपत पिता भैरो प्रसद लोधी उम्र 45 वषर्प निवासी ग्राम मरका चिरचिरा पुलिस चौकी सहोरा थाना गाडरवारा को दोहरे आजीवन कारावास एवं 5 हजार रूपया के अर्थ दंड से दंडित किया गया है। इस प्रकरण में शासन की ओर से अपर लोक अभियोजन पवन अग्रवाल द्वारा पैरवी की गई थी। वही संपूर्ण मामले की विवेचना निष्ठावान माने जाने वाली अधिकारी व तत्कालीन नगर निरीक्षक राजपाल सिंह बघेल द्वारा की गई थी। वही पवन अग्रवाल द्वारा बताये अनुसार बीते हुये 13 दिसम्बर 2021 को ग्राम मरका चिरचिरा में फरियादी के गन्ना के खेत में पीड़िता के साथ बलात्संग कर उसकी हत्या कारित की गई थी, जिसके संबंध में पुलिस थाना गाडरवारा द्वारा अपराध क्रमांक 1003/2021 के अंतर्गत भा.द.वि. की धारा 376(क) एवं 302 के तहत मामला पंजीवद्व किया गया था। वही इस मामले में गाडरवारा पुलिस थाने के तत्कालीन टीआई राजपाल बघेल द्वारा मामले की सूक्ष्मता के साथ जांच करते हुये आरोपी को गिरप्तार करने के बाद संपूर्ण घटनाक्रम का अंतिम प्रतिवेदन तैयार करने के बाद मा. न्यायालय के समक्ष पेश किया गया था। वही घटना की गंभीरता को देखते हुये इस प्रकरण को जघन्य एवं सनसनीखेज, गंभीर अपराध की श्रेणी से चिंनित किया गया था जिसका सत्र प्रकरण क्रमांक 15/2022 का विचरण द्वितीय अतिरिक्त सत्र न्यायाधीश गाडरवारा डा. अंजली के न्यायालय में हुआ। इस प्रकरण में आई अभियोजन साक्ष्य, बैज्ञानिक एवं मेडीकल साक्ष्य एवं परिस्थितिजन्य साक्ष्य के आधार पर द्वितीय अतिरिक्त सत्र न्यायाधीश गाडरवारा मा. डा. अंजली पारे द्वारा आरोपी निरपत पिता भैरो प्रसाद लोधी निवासी ग्राम मरका चिरचिरा को भा. द. वि. की धारा 376(क) में आजीवन कारावास जो आरोपी के शेष प्राकृत जीवनकाल एवं धारा 302 भा.द.वि. में आजीवन कारावास सहित 5 हजार रूपया के अर्थ दंड से दंडित किया गया है। इस तरह आरोपी निरपत लोधी को दोहरे आजीवन कारावास से दंडित किया गया है। ज्ञात हो कि यह मामला जघन्य एवं सनसनीखेज अपराध की सूची में दर्ज था जिसमें आरोपी को सजा दिलाने में अभियोजन की ओर अपर लोक अभियोजक पवन अग्रवाल द्वारा पैरवी करते हुये मा. न्यायायल के समझ अपने साक्ष्य व तर्क प्रस्तुत किये गये और उन साक्ष्य तथा तर्को से सहमत होते हुये न्यायालय द्वारा सजा सुनाई गई। वही इस घटना को लेकर पुलिस द्वारा पहले दी गई जानकारी के अनुसार इस तरह बताया गया था कि समीपस्थ सिहोरा पुलिस चौकी के अंतर्गत ग्राम मरका क्षेत्र में सनसनी का महौल उस समय देखने मिला जब लोगों में यह जानकारी फैली की ग्रा मरका गांव में वही के निवासी एक अविवाहित 28 वार्षिय युवती की लाश दोनों हाथ बंधे हुये गन्ना खेत में पाई गई है। इस तरह क्षेत्र में घटित हुई घटना की सूचना मिलते ही मौके पर सिहोरा पुलिस चौकी के आलवा गाडरवारा पुलिस थाने के तत्कालीन नगर निरीक्षक राजपाल बघेल भी तुरंत अपने बल के साथ मौके पर पहुंचकर देखा तो ग्राम मरका निवासी सुरजीत सिंह लोधी के गन्ना खेत में एक लगभग 27 वार्षिय युवती की लाश पड़ी हुई थी जिसके दोनों हाथ बंधे होने के कारण हत्या का मामला प्रतीत होने से नही चूक रहा था तथा मृतिका के शव की पहचान ग्राम मरका चिरचिरा निवासी युवती के रूप में होने के बाद पुलिस द्वारा शव का पंचनामा बनाते हुये घटना की जांच शुरू कर दी गई है। वही दूसरी ओर मृतिका के परिजनों द्वारा खेत पर काम करने वाले उसी ग्राम निवासी एक युवक पर हत्या का संदेह व्यक्त किया गया था। जिसके चलते पुलिस ने संदेही के खिलाफ हत्या का मामला कायम करते हुये जांच में लेकर उसकी खोजबीन की गई थी। वही घटना के संबंध में ग्राम मरका निवासी एवं मृतिका के भाई यानि की प्राथी द्वारा जानकारी देते हुये बताया है कि वह रोज की तरह अपनी माँ तथा बहिन को घर पर छोड़कर सोमवार 13 दिसम्बर 2021 की सुबह 7 बजे गन्ना की ट्राली लेकर कौडिया शुगर मिल गन्ना विक्रय करने के लिये चला गया था और जब शाम 5-6 बजे घर लौटा और माँ से जब प्रार्थी ने अपनी बहिन के बारे में पूछा तो माँ ने बताया की वह गांव की तरफ गई है। मगर जब वह देर रात तक बापिस नही लौटी तो मृतिका के भाई द्वारा सब कही खोजबीन करने के उपरांत किसी प्रकार से कोई जानकारी नही मिलने की स्थिति में खेतों की ओर गया जिसके चलते जब मृतिक के मोबाईल फोन की घंटी बजते हुये सुनाई पड़ने पर गन्ना खेत में अंदर जाकर देखा तो वहां पर खेत के किनारे मृतिका की लाश पड़ी हुई थी तथा मुंह से खून निकल रहा था तथा गले में रस्सी बंधी होने के साथ उसके दोनो हाथ भी गमछा में बंधे हुये थें और जब उसे हिला डुलाकर देखा तो उसकी मौत हो चुकी थी। वही घटित हुई इस घटना को लेकर खेत पर काम करने वाले ग्राम मरका ही निवासी निरपत लोधी लोधी के संबंध में पता किया गया तो वह भी खेतों की तरफ जाते हुये मृतिका की माँ ने देखा गया था मगर इसके बाद भी वह गायब था। इस तरह आरोपी द्वारा मृतिका के साथ दुष्कर्म करते हुये गल्ले में रस्सी डालकर की गई हत्या को लेकर तत्कालीन नगर निरीक्षक राजपाल बघेल द्वारा की गई जांच के बाद आरोपी को गिरप्तार करते हुये मा. न्यायालय के समक्ष पेश किये जाने पर न्यायालय द्वारा इस मामले की सुनवाई करने के बाद एक अविवाहित युवती के साथ दुष्कर्म करते हुये हत्या करने वाले आरोपी को दोहरे आजीवन सहित अर्थ दंड से दंडित करने की सजा सुनाई गई है।

अयोध्या नगर में रामलला की प्राण प्रतिष्ठा के चलते पूरा शहर हुआ राममय, बंजारी माता दरबार में सजाई गई झांकी दिन भर चला भंडारे का आयोजन

हरिभूमि न्यूज/गाडरवारा। निश्चित तौर से बीता हुआ सोमवार यानि की 22 जनवरी सिर्फ नगर ही नही बल्कि संपूर्ण देशवासियों के लिये एक दीवाली के रूप में मनाने का जो सौभग्य मिला था उसे कोई भी व्यक्ति अपने हाथों से नही निकलने देना चाहता था और इसी का परिणाम है कि छोटे से लेकर बडें व बुजुर्ग मर्यादा पुरूषोत्तम भगवान राम जी की आराधना में डूबा आया। वही दूसरी ओर नगर सहित संपूर्ण क्षेत्र का रात के समय का महौल तो इस तरह देखने मिला कि देर रात तक आसमान में बिखरती हुई अतिशबाजी की रंगी किरणें जहां लोगों का मन मोहने से नही चूक रही थी। वही संपूर्ण महौल दीवाली की रात के तरह प्रतीत होते हुये जान पड़ रहा था। क्योंकि दीवाली त्यौहार की तरह ही शहर में फटाखा, लाईटिंग सहित फूल मालाओं की दुकाने सजी हुई देखने मिली। इस तरह लगभग 500 वर्षो के बाद राम भक्तों की जो मनोकामना पूर्ण हुई है उसे लोग यादगार बनाने में कोई कसर नही छोड़ना चाहता था और हर व्यक्ति जहां भगवान की आराधना में मग्न नजर आ रहा था तो दूसरी ओर नगर सहित गांव गांव मंदिरों में अनेक प्रकार के पूजन भजन व कीर्तन के आयोजनों की दर रात तक स्वरिली आवाज गुजती रही। इस तरह भगवान राम की अयोध्या नगरी में हुई प्राण प्रतिष्ठा को लेकर लोगों के दिलों में जो खुशी का महौल देखने मिला है उससे यह अनुमान लगने से नही चूक रहा है कि अब यह 22 जनवरी सदा की लिये राम दीवाली रूप में मनाये जाने की शुरूआत हो चुकी है। इस तरह बीते हुये 22 जनवरी को नगर की कोचर कालोनी में भी राम लला की प्राण प्रतिष्ठा समारोह बडे ही धूमधाम के साथ मनाते हुये जहां मनोरम झांकी सजाई गई थी जिसके चलते सिहासन पर विराजमान भगवान राम के साथ माता सीता तथा लक्ष्मण जी का लोगों ने पूजन अर्चन करते हुये आर्शीवाद ग्रहण किया गया तथा निकाली गई शोभायात्रा में जमकर थिरकते हुये नजर आये। वही दूसरी ओर यहां पर आयोजित हुये विशाल भंडारे के आयोजन में सैकड़ो लोगों ने शामिल होकर प्रसादी ग्रहण की गई। इस तरह बंजारी माता मंदिर के पास आयोजित हुये इस कार्यक्रम को नपा अध्यक्ष शिवाकांत मिश्रा सहित यहां के समाज सेबी बुलबुल तोमर के परिजनों द्वारा कन्याओं का पूजन करते हुये उनका आर्शीवाद ग्रहण करते हुये टीका लगाते हुये पूजन अर्चन किया गया।

शिक्षकों की अप डाऊन प्रणाली से अध्यापन कार्य प्रभावित

हरिभूमि न्यूज/सांईखेड़ा। जहां एक ओर देखा जा रहा है कि सरकार द्वारा शिक्षा के क्षेत्र में अनेक योजनाएं चलाते हुए मनमानी राशि खर्च की जा रही है, वही दूसरी ओर स्कूलों में पदस्थ शिक्षकों की मनमानी के चलते बच्चों की अच्छी पढ़ाई नही हो पा रही है इस बात की सच्चाई इस समय क्षेत्र के अनेक शासकीय स्कूलों में देखने मिल रही है, जहां पर बताया जाता है कि सांईखेड़ा क्षेत्र के शासकीय विद्यालयों में जहां सैकड़ो छात्र छात्राएं अध्यनरत है वही शासकीय में पदस्थ अनेक शिक्षको अप डाऊन करने के कारण शालाओं में समय पर उपस्थित नही हो पाते है, इस कारण से कई शासकीय विद्यालयों की पढ़ाई व्यवस्था प्रभावित हो रही है। यदि क्षेत्र के प्राथमिक एवं माध्यमिक शालाओं में देखा जावे तो अनेक शिक्षिकों की अनुपस्थिति बनी रहती है? वही ग्रामीण क्षेत्रों में यह आलम आसानी से देखा जा सकता है, शिक्षा विभाग अच्छे वार्षिक परिणामों के लिए सतत प्रयासरत है वही शासकीय शालाओं में शिक्षक गण देरी से पहुंचते है एवं समय के पहले शालाओं से कूंच कर देते है, जिसमें बताया जाता है कि अधिकांश शिक्षक शिक्षाकाएं बाहर से ट्रेनों के माध्यम से अप डाऊन करते हुए गाडरवारा से बस पकड़ने के बाद यहां तक पहुंच पाते है ऐसे में ट्रेन की लेट लतीफी के कारण वह समय पर शाला नही पहुंच पाते, शिक्षा विभाग के अधिकारियों को शासकीय शालाओं का अकास्मिक निरीक्षण करना चाहिए क्योंकि कई शिक्षक 2 दिन की छुट्टी की मंजूरी और सप्ताह भर छुट्टी मनाते है, ऐसे मै पढ़ाई प्रभावित होती है वही नौनिहालों के भविष्य की चिंता भी अभिभावक को सता रही है? वही दूसरी ओर गौर किया जावे तो कहने के लिए तो चीचली ब्लाक मुख्यालय में अनेक शासकीय कार्यालय स्थापित है मगर उनका संचालन अन्य दूसरी जगहो से होने के कारण यहां के शिक्षा विभाग के लिए बने हुए कार्यालयों में मात्र दिखाबा ही साबित होकर रह गये है।

कहीं कुत्तों से न फैल जाए बीमारी

हरिभूमि न्यूज/गाडरवारा। इन दिनों देखा जा रहा है कि शहर में अधिकतर आवारा कुत्तें खुजली बीमारी की चपेट में जान पड़ रहे है, इससे गली चौराहों से आने जाने वाले लोगों की परेशानियां बढ़ रही है। वही दूसरी ओर इन बीमार कुत्तों से अन्य कुत्तें तो चपेट में आ ही रहे है बल्कि इंसानों में भी यह बीमारी फैलने की आशंका है? यूं फैलती है बीमारी-आवार कुत्तों को अमूमन खुजली की बीमारी फंगस, फफूंद तथा पैरासाइट की वजह से होती है, पालतू कुत्तों की समय समय पर सफाई होने से इनमें बीमारी कम पाई जाती है,लेकिन आवारा कुत्तों में सफाई के अभाव में बीमारी ज्यादा होती है जो बातावरण में फैलाता प्रदूषण भी मुख्य कारण है।

खबर संक्षेप

मिलावटी खाद्य पदार्थों के विरुद्ध कार्यवाही करने के निर्देश जारी

डिंडौरी । कलेक्टर विकास मिश्रा ने जिले में मिलावट से मुक्ति अभियानष अंतर्गत खाद्य पदार्थ में मिलावट के विरुद्ध निरंतर कार्यवाही करवाई जारी किया है। जिले में मिलावटी नकली दूध निर्माताओं एवं मिलावटखोरी में लिप्त दूध, मावा, पनीर एवं दूध से बने खाद्य पदार्थों के कारोबारियों के विरुद्ध तत्काल पुनः विशेष अभियान चलाया जाना सुनिश्चित करने कहा है। जिसके लिए विशेष निगरानी दल गठित करने कहा गया है। इस दल में खाद्य सुरक्षा विभाग, दुग्ध संघ, पुलिस विभाग, नापतौल विभाग, खाद्य आपूर्ति विभाग के अधिकारीगण रहेंगे। उक्त टीम द्वारा मिलावटी खाद्य पदार्थ निर्माण/विक्रय/परिवहन करने वाले खाद्य कारोबारियों के विरुद्ध आकस्मिक निरीक्षण की कार्यवाही किया जाना सुनिश्चित किया। खाद्य सुरक्षा अधिकारी निरीक्षण के दौरान मिलावटी खाद्य सामग्री जप्त करने के उपरांत उसके निर्माताध परिवहनकर्ताओं की जानकारीध्सूचना तत्काल खाद्य सुरक्षा अधिकारियों को दिया जाना सुनिश्चित करेंगे। खाद्य सुरक्षा अधिकारियों का दायित्व होगा कि यह अविलंब संबंधित निर्माताध परिवहनकर्ताओं की पहचान कर संबंधित खाय कारोबारियो के विरुद्ध त्वरित रूप से आवश्यक कार्यवाही करें।

कर्तव्य पथ नई दिल्ली में गणतंत्र दिवस समारोह छात्रों को किया गया आमंत्रित

डिंडौरी । कलेक्टर विकास मिश्रा ने ने बताया कि मध्यप्रदेश से 30 विद्यार्थियों को दिल्ली में बुलाया जा रहा है जिसमें डिंडौरी जिले के 5 विद्यार्थियों को शामिल किया गया है। कर्तव्य पथ नई दिल्ली में गणतंत्र दिवस समारोह 2024 के लिए विशेष अतिथि के रूप में केन्द्र प्रवर्तित प्री मैट्रिक छात्रवृत्ति कक्षा 9वीं, 10वीं के विद्यार्थियों की आमंत्रित किए गए हैं। अनुसूचित जनजाति वर्ग के 5 विद्यार्थियों एवं एक केयर टेकर शिक्षक के साथ भेजे जा रहे हैं। जिसमें सुखसेन सिंह धुर्वे शासकीय उत्कृष्ट विद्यालय डिंडौरी, प्रभात कुमार शासकीय उत्कृष्ट विद्यालय डिंडौरी, हिमांषु कुलेश शासकीय उत्कृष्ट विद्यालय डिंडौरी, दुर्गेश कुमार वरकड़े शासकीय उत्कृष्ट विद्यालय डिंडौरी, हेमराज सिंह धुर्वे शासकीय उत्कृष्ट विद्यालय डिंडौरी के छात्र शामिल हैं। इसी प्रकार केयर टेकर शिक्षक श्री देवाराम धुर्वे माध्यमिक शिक्षक शासकीय उत्कृष्ट विद्यालय डिंडौरी है। कलेक्टर ने दिल्ली जाने वाले विद्यार्थियों को जिले की विशेषताओं संबंधी अन्य महत्वपूर्ण बिन्दुओं जैसे कृषि, कोदो-कुटकी मोटे अनाज (मिलेट्स) संबंधी विशेष चर्चा करते हुए परिस्थितियों के अनुसार सुझाव दिए।

समय सीमा पत्रों की बैठक में कलेक्टर ने दिये निर्देश

सीएम हेल्पलाइन की शिकायतों का हो संतुष्टिपूर्वक निराकरण- कलेक्टर

हरिभूमि न्यूज डिंडौरी । कलेक्टर विकास मिश्रा ने मंगलवार को कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में समय सीमा की बैठक में विभागवार टीएल प्रकरण एवं सीएम हेल्पलाइन के प्रकरणों के निराकरण की विस्तार से समीक्षा की। कलेक्टर विभागों को टीएल के प्रकरण और सीएम हेल्पलाइन का संतुष्टिपूर्वक निराकरण करने एवं 50 दिवस से अधिक लंबित शिकायतों के निराकरण पर विशेष फोकस करने के निर्देश दिये। जिन अधिकारियों द्वारा दिसम्बर माह में शिकायतों को अटेंड नहीं किया है, उन अधिकारियों को कार्यालय प्रमुख कारण बताओ नोटिस जारी करेंगे। विभाग अपनी रैकिंग को और बेहतर बनाने का प्रयास करें। सीएम हेल्पलाइन की शिकायतों में निराकरण स्पष्ट रूप से दर्ज करें। उन्होंने कहा कि आयोग से प्राप्त शिकायतों एवं उच्च न्यायालय में प्रचलित प्रकरणों का जवाबदावा निर्धारित समय सीमा में प्रस्तुत करेंगे। अधिकारी बगैर अनुमति के मुख्यालय से बाहर नहीं रहेंगे। सभी विभाग प्रमुख अपने कार्यालय में पीने के लिए स्वच्छ पेयजल व्यवस्था करें। इसके साथ ही पीएचई विभाग को नलजल योजना से वंचित ग्रामों को शीघ्र जोड़कर पेयजल व्यवस्था सुनिश्चित करने के निर्देश दिए हैं। कलेक्टर श्री मिश्रा ने

शिक्षण संस्थानो के 100 मीटर के दायरे में कोई भी पान गुटका सहित अन्य नशीले पदार्थ विक्रय करने वाली दुकानों को तत्काल बंद कराने के निर्देश दिए। उन्होंने बताया कि स्कूलों एवं कॉलेज के आसपास पान गुटका सिगरेट इत्यादि नशीले पदार्थों का विक्रय करते पाए जाने पर संबंधितों के विरुद्ध कड़ी कार्रवाई की जाएगी। जिले के मुख्य मार्गों पर लगने वाली हॉट बाजारो में दुकानों को सुव्यवस्थित ढंग से मुख्य मार्ग से हटाकर अन्य जगह लगाएं ताकि किसी भी प्रकार की दुर्घटना ना हो। कलेक्टर श्री विकास मिश्रा ने बताया कि जिले में षिमलावट से मुक्ति अभियान अंतर्गत खाद्य पदार्थ में मिलावट के विरुद्ध निरंतर कार्यवाही करवाई की जायेगी। जिले में मिलावटी नकली दूध निर्माताओं एवं मिलावटखोरी में लिप्त दूध, मावा, पनीर एवं दूध से बने खाद्य पदार्थों के कारोबारियों के विरुद्ध तत्काल पुनः विशेष अभियान चलाया जाना सुनिश्चित करने कहा है। प्रधानमंत्री विश्वकर्मा योजना की समीक्षा करते हुए कलेक्टर श्री मिश्रा ने कहा कि ग्रामीण शिल्पियों का पोर्टल के माध्यम से पंजीयन किया जाये एवं ग्राम पंचायत के सरपंच द्वारा पंजीकृत शिल्पियों का सत्यापन ऑनलाइन किया जाये।

जनसुनवाई में सुनी गई लोगों की समस्यायें

डिंडौरी । कलेक्ट्रेट सभागार में मंगलवार को जिले के विभिन्न स्थानों से पहुंचे लोगों ने जनसुनवाई में अपनी समस्यायें बताई और आवेदन दिये। लोगों की समस्याओं को गंभीरतापूर्वक सुन कर संबंधित अधिकारियों को आवेदनों के समय सीमा में निराकरण के निर्देश दिये। उन्होंने विभिन्न आवेदनों का मौके पर भी निराकरण कराया। कलेक्ट्रेट में हुई जनसुनवाई में 38 आवेदन आये। जनसुनवाई में लोगों की समस्यायें सुनी और अधिकारियों को निराकरण के लिए आवश्यक निर्देश दिये गए। जनसुनवाई में डिप्टी कलेक्टर श्री वैद्यनाथ वासनिक सहित अन्य अधिकारी कर्मचारी मौजूद रहे।

ग्राम के मुखिया हरदेव लला सलि पर रामायण पाठ एवं भंडारा संपन्न

अमरपुर। जनपद पंचायत मुख्यालय अमरपुर के वार्ड क्रमांक 03 में श्रीराम लला की प्राण प्रतिष्ठा के सुअवसर पर ग्राम के मुखिया हरदेव लला स्थल में रामायण का पाठ का आयोजन कर भगवान श्रीराम, जानकी एवं पवनसुत हनुमान की सुंदर झांकी निकाली गई। इसके बाद आरती पूजन करने के पश्चात विशाल भंडारा भी कराया गया। वहीं शाम को दीपदान का कार्यक्रम खरमेर नदी में संपन्न हुई। इस कार्यक्रम में मोहल्ला के समस्त महिला, पुरुषों एवं समस्त ग्रामवासियों का सराहनीय योगदान रहा।

श्रीरामलला की प्राण प्रतिष्ठा कार्यक्रम में रंगोली प्रतियोगिता का किया गया आयोजन

डिंडौरी । कलेक्टर विकास मिश्रा के निर्देशन में महिला एवं बाल विकास विभाग के द्वारा सोमवार को नर्मदागंज डेमघाट में रंगोली प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। जिसमें लगभग 100 बालिकाओं ने भाग लिया जिसमें उत्कृष्ट रंगोली के विजेता बालिकाओं को 26 जनवरी गणतंत्र दिवस के अवसर पर सम्मानित किया जाएगा। जिसमें शालिनी बसेस, रूकमणी, खुश्बू यादव, अनामिका यादव, समीक्षा बर्मन, तनु ताम्रकार, प्रांजली ताम्रकार एवं शालिनी सोनी ने प्रथम स्थान, खुश्बू अग्रवाल, सौम्या नामदेव एवं हर्षिता भलावी को द्वितीय स्थान, दीपांजली बसेस, दिव्या व योगिता ताम्रकार ने तृतीय स्थान एवं पावनी चैरसिया, रूद्रिका नामदेव, ऋतु,दिया, डिंकी बर्मन व शुभी पटेल को सात्वंना पुरूस्कार से सम्मानित किया जाएगा।

श्रीराम जी के प्राण प्रतिष्ठा के अवसर पर वन विभाग ने रोपे 51 पौधे

शहपुरा। अयोध्या में श्रीराम जी के प्राण प्रतिष्ठा के अवसर पर वन विभाग शहपुरा में पदस्थ वन परिछेत्र अधिकारी जगदीश वसपे ने अपने पूरे स्टाप के साथ नगर के शारदा

टेकरी में 51 पौधे बेलपत्र,तुलसी,पीपल व अन्य प्रजाति के पौधे रोपे और उनको सुरक्षित रखने का संकल्प लिया , इस दौरान आशीष कुमार गौतम,विजय कुमार पांडेय,हिम्मत सिंह धुर्वे,भैरव दास मोंगरे ,ब्रजमोहन कुशवाहा,चेतराम वरकड़े ,संतोष कुमार सोनी,सोनम अग्रवाल,प्रियंका धुर्वे,लष्मी परस्ते ,समस्त वन विभाग का स्टाप मौजूद रहा।

नेहरू युवा केंद्र में सुभाष चंद्र बोस जी की जयन्ती का हुआ आयोजन

डिंडौरी। नेहरू युवा डिंडोरी द्वारा सुभाष चन्द्र बोस की जयंती पर कार्यक्रम आयोजित किया गया कार्यक्रम के मुख्य अतिथि के रूप में दीपांशु शुक्ला मुख्यमंत्री फैलोशिप एवं विशेष अतिथि के रूप में यातायात थाना प्रभारी गिरवर सिंह उइके व कार्यक्रम की अध्यक्षता श्रीमती नीलू जैन वरिष्ठ सामाजिक कार्यकर्ता उपस्थित रहीं

कार्यक्रम के मुख्य अतिथि ने अपने उद्बोधन में संबोधित करते हुए कहा कि नेताजी क्रांतिकारी व्यक्ति थे जिन्होंने आजादी के लिए एक आजाद हिंद फौज तैयार कर दिया था साथ ही यातायात थाना प्रभारी ने भी यातायात के नियमों के बारे में जानकारी प्रदान की कार्यक्रम के विशेष अतिथि के रूप में ओम सिंह ठाकुर एएसआई ने आज हम सब नेताजी सुभाष चंद्र बोस की 127वीं जयंती को पराक्रम दिवस के रूप में मना रहे हैं सुभाष चंद्र बोस का जन्म 23 जनवरी 1897 को उड़ीसा की उड़ीसा के कटक में हुआ था इनकी

इनके पिता का नाम जानकी नाथ बोस था माता का नाम प्रभावती देवी था और पत्नी का नाम एमिली शेकल था इनके पिता एक सफल वकील थे उन्होंने राय बहादुर राय की उपाधि प्राप्त की नेताजी ने अपने सभी भाई बहनों की तरह अपनी स्कूल शिक्षा कटक के प्रोटो स्टेट यूरोपियन स्कूल जो के एक स्टीवर्ट हाई स्कूल के नाम से जाना जाता है सुभाष चंद्र बोस 16 वर्ष की आयु से ही स्वामी विवेकानंद और रामकृष्ण की रचनाएं पढ़ते थे जिससे वे उनकी शिक्षाओं में बहुत प्रभावित हुए थे वह पढ़ाई में काफी अच्छे थे इसके बाद उनके माता-पिता ने उन्हें भारतीय सिविल सेवा की तैयारी के लिए इंग्लैंड के कैंब्रिज विश्वविद्यालय में भेज दिया गया सन 1920 में नेता जी ने सिविल सेवा की परीक्षा को उत्तरायण कर लिया था लेकिन जैसे ही एक साल बाद अप्रैल 1921 में भारत राष्ट्रवादी उथल-पुथल के बारे में सुना उन्होंने अपनी उम्मीदवारी से इस्तीफा दे दिया और अपने देश भारत वापस आ गए वह असहयोग आंदोलन में शामिल हो गये जिसकी शुरुआत महात्मा गांधी ने की थी जिन्होंने कांग्रेस को एक शक्तिशाली अहिंसक संगठन बनाया आंदोलन के समय गांधी जी ने उनको चिंतरंजन दास के साथ काम करने की सलाह दी जो कि सुभाष चंद्र बोस के राजनीतिक गुरु बने उनके प्रसिद्ध नारों में एक है तुम मुझे खून दो मैं तुम्हें आजादी दूंगा जय हिंद और दिल्ली चलो उन्होंने आजाद हिंद फौज का गठन और भारत के स्वतंत्रता संग्राम में कई महत्वपूर्ण नेताजी ने दिए उक्त कार्यक्रम में उत्कृष्ट कार्य करने वाले छात्राओं का प्रमाण पत्र मेडल देकर सम्मानित किया गया कार्यक्रम में विशेष रूप से ओंकार सिंह ठाकुर सदस्य नर्मदा वेलफेयर सोसाइटी सामाजिक कार्यकर्ता संदीप सिंह ठाकुर चरण सिंह गौतम देवेंद्र वर्मा श्रीमती जमुना धुर्वे आदि उपस्थित रहे कार्यक्रम की जानकारी आरपी कुशवाहा के द्वारा दिया गया

जिले के शाहपुर में 108 कलश के साथ निकाली गई श्री राम की शोभा यात्रा

- अयोध्या में श्री रामलला की प्राण प्रतिष्ठा को लेकर ग्रामीण अंचलों में रहा उत्साह का माहौल

डिंडौरी। वर्षो की कठिन तपस्या के बाद 22 जनवरी को अयोध्या में श्री रामलला की प्राण प्रतिष्ठा को लेकर जिला मुख्यालय सहित ग्रामीण अंचलों में भी धर्ममय माहौल देखने को मिला श्री राम की भक्ति में पूरा क्षेत्र डूबा रहा शाहपुर कस्बा में भी गांव की हृदय स्थली मुख्य बस स्टैंड शिव मंदिर में अयोध्या में श्री रामलला की प्राण प्रतिष्ठा के शुभ अवसर पर अखंड श्री राम चरित मानस का आयोजन किया गया साथ कस्बा के धार्मिक स्थल श्री सिद्ध बाबा मंदिर कछवाहा मौहल्ला के शिव मंदिर एवं हनुमान मंदिर में राम संकीर्तन के साथ धार्मिक अनुष्ठान के साथ सांस्कृतिक कार्यक्रमों का आयोजन किया गया बनवासी मौहल्ला के श्री बरम बाबा के चबूतरे में भी विशेष पूजन हवन के धार्मिक अनुष्ठान किए गए मुख्य बस स्टैंड शिव मंदिर में अखंड श्री राम चरित मानस के समापन उपरांत श्री राम जानकी लक्ष्मण एवं हनुमानजी की झांकी के साथ 108 कलशों की भव्य शोभा यात्रा प्राचीन बूढ़ी माई मंदिर से बैंड बाजे एवं आतिशबाजी के साथ नगर भ्रमण किया गया जिसमें जगह जगह श्री राम जानकी लक्ष्मण हनुमानजी की फूल माला पहनाकर स्वागत किया गया शोभा यात्रा में पूरी तरह भगवामय माहौल देखने को मिला यात्रा में महिला के साथ बच्चियां भी अपने पारंपरिक भारतीय संस्कृति के अनुरूप परिधानों शामिल हुई श्री राम लला के जयकारों के साथ कलश यात्रा मुख्य मार्ग से होते हुए बस स्टैंड शिव मंदिर पहुंची जहां यात्रा का समापन श्री राम लला की आरती पूजन कर किया गया।

नेहरू युवा केंद्र मे सुभाष चंद्र बोसजी की जयन्ती का हुआ आयोजन

डिंडौरी। नेहरू युवा डिंडोरी द्वारा सुभाष चन्द्र बोस की जयंती पर कार्यक्रम आयोजित किया गया कार्यक्रम के मुख्य अतिथि के रूप में दीपांशु शुक्ला मुख्यमंत्री फैलोशिप एवं विशेष अतिथि के रूप में यातायात थाना प्रभारी गिरवर सिंह उइके व कार्यक्रम की अध्यक्षता श्रीमती नीलू जैन वरिष्ठ सामाजिक कार्यकर्ता उपस्थित रहीं कार्यक्रम के मुख्य अतिथि ने अपने उद्बोधन में संबोधित करते हुए कहा कि नेताजी क्रांतिकारी व्यक्ति थे जिन्होंने आजादी के लिए एक आजाद हिंद फौज तैयार कर दिया था साथ ही यातायात थाना प्रभारी ने भी यातायात के नियमों के बारे में जानकारी प्रदान की कार्यक्रम के विशेष अतिथि के रूप में ओम सिंह ठाकुर एएसआई ने आज हम सब नेताजी सुभाष चंद्र बोस की 127वीं जयंती को पराक्रम दिवस के रूप में मना रहे हैं सुभाष चंद्र बोस का जन्म 23 जनवरी 1897 को उड़ीसा की उड़ीसा के कटक में हुआ था इनकी इनके पिता का नाम जानकी नाथ बोस था माता का नाम प्रभावती देवी था और पत्नी का नाम एमिली शेकल था इनके पिता एक सफल वकील थे उन्होंने राय बहादुर राय की उपाधि प्राप्त की नेताजी ने अपने सभी भाई बहनों की तरह अपनी स्कूल शिक्षा कटक के प्रोटो स्टेट यूरोपियन स्कूल जो के एक स्टीवर्ट हाई स्कूल के नाम से जाना जाता है सुभाष चंद्र बोस 16 वर्ष की आयु से ही स्वामी विवेकानंद और रामकृष्ण की रचनाएं पढ़ते थे जिससे वे उनकी शिक्षाओं में बहुत प्रभावित हुए थे वह पढ़ाई में काफी अच्छे थे इसके

बाद उनके माता-पिता ने उन्हें भारतीय सिविल सेवा की तैयारी के लिए इंग्लैंड के कैंब्रिज विश्वविद्यालय में भेज दिया गया सन 1920 में नेता जी ने सिविल सेवा की परीक्षा को उत्तरायण कर लिया था लेकिन जैसे ही एक साल बाद अप्रैल 1921 में भारत राष्ट्रवादी उथल-पुथल के बारे में सुना उन्होंने अपनी उम्मीदवारी से इस्तीफा दे दिया और अपने देश भारत वापस आ गए वह असहयोग आंदोलन में शामिल हो गये जिसकी शुरुआत महात्मा गांधी ने की थी जिन्होंने कांग्रेस को एक शक्तिशाली अहिंसक संगठन बनाया आंदोलन के समय गांधी जी ने उनको चिंतरंजन दास के साथ काम करने की सलाह दी जो कि सुभाष चंद्र बोस के राजनीतिक गुरु बने उनके प्रसिद्ध नारों में एक है तुम मुझे खून दो मैं तुम्हें आजादी दूंगा जय हिंद और दिल्ली चलो उन्होंने आजाद हिंद फौज का गठन और भारत के स्वतंत्रता संग्राम में कई महत्वपूर्ण नेताजी ने दिए उक्त कार्यक्रम में उत्कृष्ट कार्य करने वाले छात्राओं का प्रमाण पत्र मेडल देकर सम्मानित किया गया कार्यक्रम में विशेष रूप से ओंकार सिंह ठाकुर सदस्य नर्मदा वेलफेयर सोसाइटी सामाजिक कार्यकर्ता संदीप सिंह ठाकुर चरण सिंह गौतम देवेंद्र वर्मा श्रीमती जमुना धुर्वे आदि उपस्थित रहे कार्यक्रम की जानकारी आरपी कुशवाहा के द्वारा दिया गया।

हरिभूमि

नर्मदा भूमि

10

जबलपुर, बुधवार 24 जनवरी 2024

login : www.haribhoomi.com

करेली | तेंदूखेड़ा | श्रीधाम | सालीचौका | सुआतला | गाडरवारा | राजमार्ग | साईंखेड़ा | चीचली | करकबेल

खबर संक्षेप

निबंध प्रतियोगिता में रागिनी ने प्राप्त किया प्रदेश में प्रथम स्थान मुख्यमंत्री करेंगे सम्मानित

हरिभूमि न्यूज़ - नरसिंहपुर। मध्यप्रदेश शासन, उच्च शिक्षा विभाग के निर्देशानुसार स्वामी विवेकानंद शासकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय नरसिंहपुर में वोट जैसा कुछ नहीं, वोट जरूर देंगे हम विषय पर निबंध प्रतियोगिता का आयोजन सम्पन्न हुआ। जिला स्तर पर निबंध की प्रविष्टियां राज्य स्तर पर चयन हेतु भोपाल प्रेषित की गयी जिसमें महाविद्यालय की कु. रागिनी डेहरिया बी ए तृतीय वर्ष को मप्र में प्रथम स्थान प्राप्त हुआ है। छात्रा रागिनी को 25 जनवरी 2024 को भोपाल के कुशाभाऊ ठाकरे, इन्टरनेशनल कन्वेशनल सेंटर भवन में मुख्यमंत्री द्वारा सम्मानित किया जावेगा।

हुल्कर सिंह कोरी का निधन, श्रद्धांजलि सभा आज

हरिभूमि न्यूज - नरसिंहपुर। बीते दिवस ग्राम सिंहपुर के वयोवृद्ध स्वंयसेवक, चर्चित वैद्य एवं समाजसेवी हुल्कर सिंह कोरी का निधन 11 जनवरी को हो गया था। उनकी आत्मशांति हेतु ग्रामवासियों द्वारा आज 24 जनवरी को विशाल श्रद्धांजलि सभा का आयोजन कोरी मोहल्ला सिंहपुर में आयोजन किया जाएगा। जिसमें बड़ी संख्या में जनप्रतिनिधियों, स्वंय सेवको एवं समाजसेवियों की उपस्थिति रहेगी। हुल्कर सिंह कोरी पूर्व जनपद सदस्य एवं वरिष्ठ अधिवक्ता हीरालाल कोरी (बंटू वकील) के पिताजी थे।

बालिका के साथ ज्यादती करने वाले आरोपी को सजा

हरिभूमि न्यूज - नरसिंहपुर। न्यायालय चतुर्थ अपर सत्र न्यायाधीश एवं विशेष न्यायाधीश पाक्सो एक्ट नरसिंहपुर श्रीमती रश्मिना चतुवेर्दी के न्यायालय द्वारा आरोपी धनीराम उर्फ दीपक ठाकुर, उम्र 36 वर्ष आत्मज कोमल ठाकुर, निवासी-मिढ़ली कालोनी बरमान, चौकी बरमान, थाना सुआतला, जिला नरसिंहपुर को धारा-366 भा.दं.वि. में 3 वर्ष का सश्रम कारावास, 500/-रुपए अर्थदंड, 376(2)(एन) भादंवि में 10 वर्ष सश्रम कारावास, 2000/-रुपए अर्थदंड से दंडित किया गया।

जनसुनवाई में आये 56 आवेदन

हरिभूमि न्यूज़ - नरसिंहपुर। मंगलवार को कलेक्टर कार्यालय के जनसुनवाई हाल में जिले के विभिन्न स्थानों पहुंचे लोगों ने सीईओ जिला पंचायत दलीप कुमार व अपर कलेक्टर श्रीमती अंजली शाह को अपनी समस्यायें बताई और आवेदन दिये। जनसुनवाई में लोगों की समस्याओं को गंभीरतापूर्वक सुना और संबंधित अधिकारियों को आवेदनों के समय सीमा में निराकरण के निर्देश दिये। विभिन्न आवेदनों का मौके पर भी निराकरण कराया। कलेक्ट्रेट में हुई जनसुनवाई में 56 आवेदन आये।

कल मनाया जाएगा राष्ट्रीय मतदाता दिवस

हरिभूमि न्यूज़ - नरसिंहपुर। 14 वां राष्ट्रीय मतदाता दिवस गुरुवार 25 जनवरी को मनाया जाएगा। भारत निर्वाचन आयोग एवं राज्य शासन के सामान्य प्रशासन विभाग ने इस संबंध में निर्देश भी जारी किए हैं। कलेक्ट्रेट नरसिंह भवन के जनसुनवाई हॉल में दोपहर 12 बजे कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी नरसिंहपुर के मुख्य आतिथ्य में आयोजित की जायेगी। यह जानकारी अपर कलेक्टर एवं उप जिला निर्वाचन अधिकारी नरसिंहपुर ने दी है।

गन्ना किसानों की समस्याओं को लेकर सौंपा ज्ञापन

किसानों को दिलाया जाये समय पर भुगतान व उचित दाम

हरिभूमि न्यूज - नरसिंहपुर । गत दिवस राष्ट्रय किसान मजूदर महासंघ द्वारा जिले के गन्ना किसानों की समस्याओं को लेकर कलेक्टर व पुलिस अधीक्षक के नाम ज्ञापन सौंपा गया । जिसमें मांग की गई है कि जिले के शुगर मिल मालिकों द्वारा किसानों की साथ धोखाधड़ी की जाती है तथा किसानों को समय पर भुगतान नही किया जाता है एवं किसानों को रिकव्हरी के आधार पर भी भुगतान नही दिया जाता है ।

मनमर्जी के दामों पर खरीदा जा रहा गन्ना

सौंपे गए ज्ञापन में बताया गया है कि इस वर्ष गन्ने की शुगर रिकवरी चेक नहीं हुई है जिससे जिले में संचालित हो रही शुगर मिल व खांडसारी मिले अपनी मनमर्जी के हिसाब से काफी कम दामों पर मोटा मुनाफा लेकर किसानों से लूटकर खरीदी कर रहे हैं। जबकि गन्ने की रिकवरी के हिसाब से गन्ने का मूल्य 425 प्रति कुंटल के लगभग होना था। ज्ञापन के माध्यम से मांग की गई है कि अति शीघ्र गन्ने की रिकवरी हर हफ्ते चेक कराते हुए गन्ना एक्ट के अनुसार किसानों को उचित वाजिब दाम और न्याय दिलाए जाएं ।

समय पर नही किया जा रहा भुगतान

किसान संघ के पदाधिकारियों द्वारा सौंपे गये ज्ञापन मे उल्लेख किया गया है कि जिले में मुख्य महाकौशल शुगर मिल एवं अन्य मिलों द्वारा 14 दिवस में नियमानुसार मध्य प्रदेश गन्ना अधिनियम एक्ट के अनुसार किसानों के गन्ने का भुगतान नहीं किया जा रहा है जिसके लिए किसान परेशान हो रहे हैं निवेदन है कि नियमानुसार 14 दिवस में भुगतान करने की कुडी व्यवस्था कराई जाए एवं जिन किसानों का 14 दिवस के बाद का भुगतान रह गया है उसे गन्ना एक्ट की नियमानुसार 7% ब्याज जोड़कर शीघ्र किसानों को दिलाया जाए।

मनमाफिक लिया जा रहा भाड़ा

ज्ञापन मे बातया गया है कि महाकौशल बचई शुगर मिल वर्तमान में 350 रुपए प्रति कुंटल की खरीदी कर रही है जबकि बचई मिल अपने सेंटर जैसे नन्हेगांव में 320 प्रति कुंटल खरीदी कर रही है जबकि वहां से ट्रांसपोर्टिंग चार्ज 28.25 रुपए प्रति कुंटल है जिसमें 1.75 प्रति कुंटल किसानों से अधिक लेकर चोरी की जा रही है यही स्थिति बचई के सभी सेंटरों की हो रही है किसानी से सीधी लूट है । इसकी जांच कर मिल पर नियमानुसार कार्रवाई कर किसानों को उचित दाम दिलाया जाए। साथ ही पत्ती के नाम पर 1 प्रतिशत गन्ना अधिक लिया जा रहा है जिसकी जांच भी की जावे ।

नहीं दी जा रही पक्की रसीद

बचई शुगर मिल सेंट्रो पर किसानों से 30 रूपये प्रति कुंटल कम की खरीद कर रहा है जिसमें सेंट्रो पर नगद भुगतान किया जाता है किंतु इस समय बचई के सभी सेंटरों पर किसानों की एक-एक माह से ऊपर लाखों- लाखों का भुगतान बकाया है जिस कारण किसान गन्ना कटाई लेवर खर्च, भाड़ा खर्च सका नहीं दे पा रहे हैं इसलिए निवेदन है की सेंट्री पर नगद भुगतान नियमानुसार कराए जाने की व्यवस्था की जाए। महाकौशल बचई शुगर मिल के सभी सेंटरों पर बिना प्रिंटिंग बिना सील की कच्ची लिखा पड़ी की जा रही है ना तो किसानों का कोई कार्ड बनाया गया है जा ही कोई किसान कोड बनाया गया है उदाहरण के तौर पर यदि आज किसी किसान ने अपना 10 लाख का गन्ना मिल को विक्रय किया है पर आज किसी का मिल के रिकॉर्ड में कोई पक्का रिकॉर्ड नहीं है इसी कारण हर वर्ष किसानों से बड़े स्तर पर धोखाधड़ी होती है और किसानों को लाखों का चूना लग जाता है इस व्यवस्था को सुधार करते हुए व्यवस्थित किया जाए।

तौल कांटे की जांच कर दिलाया जावे भुगतान

ज्ञपन मांग की गई है कि महाकौशल बचई शुगर मिल में पिछले दिनों तुलाई कांटों में गड़बड़ी कर किसानों से धोखाधड़ी कर चोरी करने का मामला सामने आया था नापतोल विभाग द्वारा कांटे की गड़बड़ी से किसानों को हुए नुकसान का आकलन कर उनके नुकसान का भुगतान कराया जाए साथ ही महाकौशल बचई शुगर मिल पर कड़ी कार्रवाई न होने के कारण हर्ष वर्ष इस प्रकार की घटनाएं सामने आती रहती हैं जिससे किसानों को लाखों करोड़ों का नुकसान होता है इसलिए मिल संचालक पर जुमार्ना लगाते हुए सख्त कार्रवाई की जाए जिससे पुनः ऐसी घटनाएं या चोरी किसानों से ना हो सके । ज्ञापन राष्टीय किसान मजदूर महासंघ द्वारा कहा गया है कि किसानों की समस्या का शीघ्र निराकरण नही किया गया तो विशाल आंदोलन किया जावेगा जिसकी सम्पूर्ण जिम्मेदार प्रशासन की होगी । उक्त मौके पर महाकौशल प्रांतीय अध्यक्ष ऋषिराज पटेल, जिला अध्यक्ष कमल सिंह लोधी, जिला उपाध्यक्ष चौधरी लोकेश सिंह पटेल, जिला उपाध्यक्ष राजेश पटेल, जिला महामंत्री मातवर पटेल, जिला संगठन मंत्री रविंद्र सिंह लोधी, गोटेगांव तहसील अध्यक्ष रामजी गुमास्ता, नरसिंहपुर तहसील अध्यक्ष प्रदीप सिंह गुमास्ता, तहसील उपाध्यक्ष विनोद पटेल, ठाकुर खूब सिंह लोधी, संजय पटेल, दशरथ पटेल सहित अन्य क्षेत्रीय किसान बड़ी संख्या में उपस्थित रहे ।

शालिनी स्कूल में कैरियर गाइडेंस केम्प आयोजित

हरिभूमि न्यूज - नरसिंहपुर। गत दिवस शासन के निर्देशानुसार राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 एवं कॉलेज चलो अभियान के तहत शालिनी स्मृति हायर सेकेण्डरी स्कूल नरसिंहपुर में एम.आई.एम.टी. कॉलेज नरसिंहपुर द्वारा कैरियर गाइडेंस केम्प का आयोजन किया गया। शालिनी स्मृति हायर सेकेण्डरी स्कूल नरसिंहपुर की डायरेक्टर श्रीमती सुधा दुबे ने राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 को छात्रों के लिये रोजगार मूलक एवं समग्र व्यक्तित्व निर्माण की दिशा में छात्रोपयोगी निरूपित किया। सहा. प्राध्यापक डॉ. पराग नेमा विभागाध्यक्ष कला संकाय ने छात्र-छात्राओं को राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 विषय पर विस्तार से जानकारी प्रदान करते हुए उन्हे कॉलेज चलो अभियान अंतर्गत उच्च शिक्षा हेतु प्रेरित किया। छात्र-छात्राओं के समग्र व्यक्तित्व निर्माण के अंतर्गत महाविद्यालय में संचालित पाठ्यक्रम, खेल, सांस्कृतिक गतिविधियां, एन.सी.सी. एवं एन.एस.एस. योजनाओं की विस्तार से जानकारी दी गयी। विधिक शिक्षा एवं रोजगार विषय पर सहा. प्राध्यापक आलोक तिवारी विभागाध्यक्ष विधि संकाय ने अपने विचार व्यक्त किये। एम.आई.एम.टी. लॉ कॉलेज नरसिंहपुर में संचालित बी.ए.एलएल.बी एवं एलएल.बी. पाठ्यक्रमों की शिक्षा एवं इससे जुड़े सुनहरे भविष्य की सम्भावनाओं एवं विस्तार से प्रकाश डाला गया। उपप्राचार्य डॉ. एस. एन. राव द्वारा मध्यप्रदेश शासन उच्च शिक्षा विभाग भोपाल द्वारा ऑनलाइन महाविद्यालय प्रवेश प्रक्रिया की विस्तार से जानकारी दी गयी। इस अवसर पर एम.आई.एम.टी. के सहा. प्राध्यापक हेमराज सेन द्वारा छात्र-छात्राओं को 12वीं की परीक्षा अच्छे अंको से उत्तीर्ण करने हेतु शुभकामनाएं प्रेषित की गयी। कार्यक्रम का संचालन एवं आभार सहा. प्राध्यापक श्रीमती आराधना दुबे द्वारा किया गया। इस अवसर पर विद्यालय के प्राचार्य मुकेश तिवारी एवं श्रीमती रंजीता पाठक सहित छात्र-छात्राओं की बड़ी संख्या में उपस्थिति रही।

15 व्यवसायियों पर 1 लाख 70 हजार रुपये का जुर्माना

हरिभूमि न्यूज - नरसिंहपुर। गत दिवस खाद्य सुरक्षा एवं मानक अधिनियम के तहत खाद्य कारोबारकतार्ओं के विरुद्ध दायर विभिन्न प्रकरणों में न्यायालय अपर कलेक्टर एवं न्याय निर्णयन अधिकारी नरसिंहपुर ने जिले के 15 व्यवसायियों के विरूद्ध 1.70 लाख रुपये का जुमार्ना अधिरोपित किया है। खाद्य सुरक्षा अधिकारी खाद्य सुरक्षा प्रशासन नरसिंहपुर अमित गुप्ता ने बताया कि प्रेम शंकर अग्रवाल भोले भण्डार स्वीट्स तेंदूखेड़ा के विरूद्ध 10 हजार रुपए, जगमोहन कौरव कल्याणपुर गाडरवारा के विरूद्ध 5 हजार रुपए, अजीत माखीजा आलइनवन सुपर बाजार नरसिंहपुर के विरूद्ध 5 हजार रुपए, सुरेन्द्र गूजर मॉ शारदा मेडिकल चिरहकला गाडरवारा के विरूद्ध 10 हजार रुपए, लखपत सिंहा बीकानेर मिष्ठान नरसिंहपुर के विरूद्ध 20 हजार रुपए, बसंत साहू गणेश फ्रूट कंपनी गोटेगांव के विरूद्ध 5 हजार रुपए, राधेश्याम पटैल दुग्ध विक्रेता नरसिंहपुर के विरूद्ध 10 हजार रुपए, संदीप बाथरे दुग्ध विक्रेता नरसिंहपुर के विरूद्ध 25 हजार रुपए, कपिल कुमार जैन मामा ब्रदर्स गोटेगांव के विरूद्ध 15 हजार रुपए, हरीसिंह नरसिंहपुर के विरूद्ध 10 हजार रुपये, संदीप गुप्ता संदीप किराना करेली के विरूद्ध 10 हजार रुपये, शुभम गुप्ता तेंदूखेड़ा के विरूद्ध 5 हजार रुपये, तुलसीराम बाथरे तुलसी डेयरी नरसिंहपुर के विरूद्ध 25 हजार रुपये, अरिहंत जैन मनोज किराना के विरूद्ध 10 हजार रुपये और नीरज नेमा मिठाई विक्रेता करकबेल के विरूद्ध 5 हजार रुपये सहित कुल 15 व्यवसायियों के विरूद्ध एक लाख 70 हजार रुपये का जुमार्ना अधिरोपित किया है।

केन्द्रीय विद्यालय में चित्रकला प्रतियोगिता आयोजित

हरिभूमि न्यूज - नरसिंहपुर। विगत दिवस पीएम श्री केन्द्रीय विद्यालय में जिला स्तरीय चित्रकला प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। प्रतियोगिता मंत्रास ऑफ एग्जाम वॉरियर, चंद्रयान, भारत की खेलों में सफलता, विकसित भारत, नेता जी सुभाष चंद्र बोस, आदित्य-एल-1 पर चित्रकारी की गई । उक्त प्रतियोगिता में नरसिंहपुर जिले के सीबीएसई तथा एम पी बोर्ड के लगभग 100 विद्यार्थियों के साथ 08 अनुरक्षक शिक्षकों ने अपनी उपस्थित प्रदान की। चित्रकला प्रतियोगिता प्रातः10 बजे से 12 बजे तक संपन्न हुई। मुख्य अतिथि कर्नल अनिल भार्गव ने दीपप्रज्वन तथा सुभाषचंद्र बोस के चित्र पर माल्यार्पण कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया। प्राचार्य श्री तुमसरे ने स्वागत भाषण के साथ पराक्रम दिवस पर प्रकाश डालते हुए कहा कि महान स्वतंत्रता संग्राम सेनानी सुभाष चंद्र बोस की जयंती 23 जनवरी को उन्हें याद कर पूरा देश मना रहा है । सुभाषचंद बोस न केवल अपनी दमदार नेतृत्व क्षमता से हजारों आम लोगों को आजादी की लड़ाई में शामिल किया बल्कि तुम मुझे खून दो , मैं तुम्हें आजादी दूंगा आदि से आजादी की लड़ाई को तेज किया। विद्यालय के विद्यार्थियों द्वारा पराक्रम गीत तथा स्वागत गीत प्रस्तुत किया गया। चित्रकला प्रतियोगिता में प्रथम स्थान पर अदिति, पीडीएस, करेली , द्वितीय स्थान पर तनिष्का दुबे, न्यू ऐज पब्लिक स्कूल, गाडरवारा, तृतीय स्थान पर प्रिसिंका लोधी- पीएम श्री केन्द्रीय विद्यालय नरसिंहपुर, चतुर्थ स्थान पर दिवा जैन, न्यू ऐज पब्लिक स्कूल, तथा पांचवे स्थान पर लीलाधर धुर्वे शा. उत्कृष्ट विद्यालय नरसिंहपुर ने अपना स्थान सुनिश्चित किया। निर्णायक के रुप में प्रो. डॉ. यतेन्द्र महोबे महिला महाविद्यालय नरसिंहपुर , श्रीमती राजेश्वरी वर्मा,कला शिक्षिका सीएम राइस स्कूल नरसिंहपुर, सुश्री नेहा पटेल सीएम राइस स्कूल जबलपुर की महत्वपूर्ण भूमिका रही। कार्यक्रम के अंत में पुरस्कार तथा प्रमाण पत्र वितरण कर कार्यक्रम समापन किया गया।

निकाली गई भगवान श्रीराम की झांकी

हरिभूमि न्यूज - करेली। विगत दिवस तहसील के अंतर्गत आने वाले पिपरिया लिंगा में भी राम मय बना रहा इस ग्राम के छोटे छोटे बच्चों ने राम, लक्ष्मण सीता और माता शबरी का रूप रखकर ग्राम का भ्रमण किया जहां पर ग्रामीणों के द्वारा पूजा अर्चना किया इसके बाद प्रसाद का वितरण किया गया ।

राष्ट्र निर्माण में युवाओं की होगी महती भूमिका : वैभव

हरिभूमि न्यूज - नरसिंहपुर। गत दिवस भाजपा युवा मोर्चा के प्रदेश अध्यक्ष वैभव पवार का नगर आगमन हुआ, जहा पर श्री पवार ने 25 जनवरी को होने वाले नव मतदाता सम्मेलन के स्थान का निरीक्षण किया और कार्यक्रम को सुचारू रूप से करने के लिए कार्यकर्ताओ आवाहन करते हुये कहा कि देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी नव मतदाताओ को संबोधित करेंगे, ये दिन इसलिए भी विशेष है क्योंकि इस दिन राष्ट्रीय मतदाता दिवस भी है,उन्होंने आगे कहा देश प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के द्वारा निरंतर देश के विकास के लिए अनेक योजनाओं को चलाया जा रहा है एवं इसी क्रम में विकसित भारत में युवाओं की क्या भूमिका हो और जब भारत की आजादी के सौ वर्ष पूर्ण होंगे तो आप सभी युवाओं का भारत को विकसित बनाने के लिए आप सभी का योगदान अधिक से अधिक हो इसकी भूमिका आज से ही तय करना पड़ेगी। उन्होंने कहा कि आज भारत विश्व की पांचवी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था है,आने वाले समय में भारत विश्व की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनेगा, उन्होंने कहा कि भारत विश्व में सबसे अधिक युवा आबादी वाला देश है और आने वाले समय में सबसे ज्यादा युवा मतदाता एवं उसके साथ साथ नव मतदाता देश की दिशा और दशा का निर्धारण करेंगे इसलिए युवाओं को विकसित भारत के इस अभियान से जोड़ने के लिए भाजयुमो अभियान चलाकर युवाओं को जागरूक करने का कार्य कर रहा है एवं आने वाले 25 जनवरी को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा नवमतदाताओं से संवाद करके विकसित भारत के विषय में उनकी भूमिका पर चर्चा की जायेगी। उक्त जानकारी देते हुए युवा मोर्चा के जिला मीडिया प्रभारी प्रखर दुबे ने बताया कि कार्यक्रम का संचालन जिला महामंत्री अभिषेक रघुवंशी, आभार नगर मंडल अध्यक्ष शिवम श्रीवास्तव ने किया कार्यक्रम में श्रीकांत श्रीवास्तव, जिला उपाध्यक्ष मनोज ठाकुर, सोनित नेमा, नीलेश पटेल, अमन दुबे, शशांक पटेल सहित अन्य कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

दुकानदारों ने सौंपा मांगों को लेकर ज्ञापन

तेंदूखेड़ा- इन दिनों तेंदूखेड़ा के वार्ड क्रमांक 07 में पुराने बस स्टैंड से मंडी चैराहे तक बन रही पक्की सीमेंट सड़क को लेकर जहां तहां से सड़क मार्ग बंद कर दिये जाने से इस मार्ग पर विभिन्न वर्गों के दुकान दारों को परेशानी हो रही है। ग्राहकी का अभाव होने को लेकर एक ज्ञापन पार्षद ओमप्रकाश राय के नेतृत्व में एसडीएम तेंदूखेड़ा को सौंपा गया था।जिसे लेकर एसडीएम एवं तहसीलदार ने मौके पर पहुंचकर वस्तुस्थिति को देखते हुए संबंधित ठेकेदार को निर्देशित किया है कि किसी भी तरह से आवागमन प्रभावित ना हों। दुकानदारों की भी समस्याओं एवं ग्राहकी का पूरा ध्यान रखा जाये। मनमाने तरीके से कहीं के भी मार्ग बंद ना किये जायें। चूंकि ठेकेदार का कहना है कि निर्माण कार्य के चलते बड़े बाहन चालक सीधे निर्माण स्थल तक पहुंच कर बाहन खड़े कर दिया करते है। तथा छोटे छोटे दो पहिया वाहन चालक भी अपने बाहन चलती हुई मशीनरी के सामने बाहन निकाल लिया करते हैं वहीं निर्माण कार्य के दौरान सड़क पर बाहन निकाल लेते हैं।इन समस्याओं से बचने के लिए सड़क को बंद किया गया था। चूंकि 40 फुट चैड़े बन रही इस सड़क को पहले 20 फुट चैड़ा पहले एक पट्टी बनाई जा रही है बाद में दूसरी तरफ की पट्टी बनाई जायेगी।

धूमधाम से निकाली गई भव्य शोभायात्रा

डोभी - 22 जनवरी को अयोध्या में श्रीराम की प्राण प्रतिष्ठा के अवसर पर डोभी सहित ग्रामीण क्षेत्र में भी जगह जगह शोभायात्रा यात्रा निकाल कर श्रीराम का उद्घोष किया गया ।वहीं ग्राम डोभी में रामभक्तों ने भगवान राम की शोभायात्रा निकाली जहां घोड़े, , बैन्डबाजे , रथ पर भगवान राम लखन और सीता , हनुमान की सुंदर झांकी के साथ पूरे नगर में घूमकर जय श्रीराम के नारे लगाए जहां भगवान राम के सुंदर भजनों पर बच्चों से लेकर बड़े बूढ़े भी झूमते हुए नजर आए।,भगवान राम की प्राण प्रतिष्ठा की खुशी के अवसर पर ग्रामवासियों में बहुत उत्साह दिखाई दिया। शोभायात्रा ग्राम के बड़ा मंदिर से दोपहर 2 से निकाली गई, जो खेरापति मंदिर , सिद्धेश्वर हनुमान मंदिर , सत्ती माता मंदिर से बसस्टैंड दुर्गा मंदिर पर समापन किया गया शाम 6:30 बजे महाआरती की गई , प्राण प्रतिष्ठा को दीपावली पर्व की तरह मनाया गया घर घर राम ज्योति जलाई गई रंगोली सजाई गई इसके अलावा राम भक्तों ने भंडारे के आयोजन कर प्रसाद बितरण किया ।